



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 309] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 25, 1994/श्रावण 3, 1916
No. 309] NEW DELHI, MONDAY, JULY 25, 1994/SRAVANA 3, 1916

वित्त, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1994

सा. का. नि. 594(अ):—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (3) के खंड (ग) के उपबंध अर्थात् वित्तपोषण निगम लिमिटेड, दिल्ली को जो एक सरकारी कंपनी है, और देश में अर्थात् वित्तपोषण निगम लिमिटेड के लिए वित्तपोषण के कारबार में लगी है, वहां तक लागू नहीं होगी जहां तक इनका संबंध ऋणों और अधिमों पर व्याज से होने वाली आय से है परन्तु

यह कि ऐसी प्रोद्भूत आय, जिसका लेखा-पुस्तक में लेखा-जोखा नहीं किया गया है, वापस खाते में टिप्पण के रूप में प्रकट की जाती है।

इस अधिसूचना की एक प्रति उक्त अधिनियम की धारा 620 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रारूप के रूप में रखी गई है।

[फा. सं. 10/4/92-सी. एन.-5]

आर. डी. जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 1994

G.S.R. 594(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 620 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (b) of sub-section (3) of section 209 of the said Act shall not apply to Rural Electrification Corporation Limited, Delhi, a Government company, engaged in the business of financing rural electrification schemes in the country, to the extent it relates to income from interest on loans and advances, provided that such accrued income, which is not accounted for in the books of accounts, is disclosed by way of note in the annual accounts.

A copy of this notification has been laid in draft before both Houses of Parliament as required by sub-section (2) of section 620 of the said Act.

[F. No. 10/4/92-CL.V]
R. D. JOSHI, Jt. Secy.